हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

तापमान
अधिकतम 34.9 डिग्री
न्यूनतम 16.2 डिग्री

चार घंटे तक किसान अनाजमंडी के सामने डटे… 12

कलयुग में भी जीवित होकर अपने भक्तों की रक्षा कर रहे हैं हनुमान 12

13.38 करोड़ की लागत से मथाना-बाबैन मार्ग को किया जाए 7 मीटर चौड़ा

प्रदेश को शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित व स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्धः नायब सैनी

- महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की शिरकत
- सीएम ने महात्मा ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन बाबैन की रखी आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार महात्मा ज्योतिबा फुले की शिक्षाओं पर चलते हुए प्रदेश को शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित और स्वावलंबी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन और उनके विचार हमारे लिए मार्गदर्शक हैं। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जो समानता, न्याय और भाईचारे पर आधारित हो। मुख्यमंत्री शनिवार को कुरुक्षेत्र के बाबैन में सैनी सभा, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह एवं सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के शिलान्यास के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा रखी सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले कॉलेज ऑफ नर्सिंग खोले जाने की मांग को पूरा करने तथा स्वैच्छिक कोष से 51 लाख रुपये संस्था को देने की घोषणा भी की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 13 करोड़ 38 लाख रुपए की लागत से मथाना-बाबैन मार्ग को 5.5 मीटर से बढ़ाकर 7 मीटर चौड़ा करने की भी घोषणा की। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने स्वयं तथा कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी की तरफ से 11-11 लाख रुपये संस्था को देने की घोषणा की। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बड़े ही गर्व और गौरव की बात है कि आज हम ऐसे महापुरुष की जयंती मना रहे हैं, जिन्होंने अपने विचारों, अपने संघर्षों और अपने कर्मों से भारत के सामाजिक इतिहास को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज महात्मा ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की आधारशिला भी रखी गई है। शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का जो सपना महात्मा फुले ने देखा था, यह संस्थान उसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यहां से निकलने वाले विद्यार्थी समाज के जिम्मेदार नागरिक बनकर, राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देंगे। उन्होंने सैनी शिक्षा समिति की समाज के उत्थान के लिए निरंतर किए जा रहे कार्य की सराहना भी की।

बाबैन में खुलेगा कॉलेज ऑफ नर्सिंग

कुरुक्षेत्र। उपस्थित जनों को संबाधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

महात्मा ज्योतिबा फुले की सोच पर चल रहे पीएम मोदी

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले जी ने केवल शिक्षा तक ही अपने कार्य को सीमित नहीं रखा। उन्होंने समाज के हर उस वर्ग के लिए आवाज उठाई, जो शोषण और अन्याय का शिकार था। आज जब हम 21वीं सदी के भारत में खड़े हैं, तो भी महात्मा फुले जी के विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर गति से बढ़ रहा है। यह मंत्र उस समावेशी सोच का प्रतीक है, जिसकी नींव महात्मा फुले जी ने रखी थी। आज सरकार की विभिन्न योजनाएं—चाहे वह गरीबों के लिए आवास हो, स्वास्थ्य सुविधाएं हों या स्वच्छता अभियान—सभी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। इसी उद्देश्य के अनुरूप हमने हरियाणा में जनहित में अनेक निर्णय लिए हैं।

कुरुक्षेत्र। बाबैन में महात्मा ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की आधारशिला रखते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

ज्योतिबा फुले के मार्ग का सरकार कर रही अनुसरण

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के दिखाए मार्ग का ही वर्तमान सरकार अनुसरण कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उन्हीं की शिक्षाओं पर चलते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का आगाज किया। महात्मा ज्योतिबा फुले ने उस वक्त कहा था कि शिक्षा के बगैर व्यक्ति अधूरा है। आज सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स का शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है, जो उस सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी, मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, पूर्व सांसद गुरदयाल सैनी, पूर्व मंत्री बलबीर सैनी, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर, राज्य सूचना आयुक्त परमवीर सैनी, भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, पूर्व विधायक डा. पवन सैनी, मेयर कोमल सैनी, प्रवक्ता जवाहर सैनी, चेयरमैन जसविंदर सिंह जस्सी, सैनी शिक्षा समिति के प्रधान नायब पटाक माजरा, वरिष्ठ उप प्रधान गुरमीत सैनी, कौशल सैनी, डिंपल सैनी, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, महामंत्री अवतार सैनी, चेयरपर्सन कमलेश सैनी, उद्योगपति प्रदीप सैनी पिहोवा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत

यमुनानगर। शहर के इंडस्ट्रियल एरिया में रात के समय दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। आरोपी बाइक चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

टक्कर मारकर हत्या मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने शादी समारोह में थार गाड़ी से टक्कर मारकर हत्या मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन के मार्ग-निर्देश में थाना इस्माईलाबाद पुलिस टीम ने शादी समारोह में थार गाड़ी से टक्कर मारने मामले के मुख्य आरोपी दिपांशु हवन वासी इस्माईलाबाद जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है। 5 अप्रैल 26 को थाना इस्माईलाबाद की टीम ने मामले के आरोपी सोमनाथ वासी इस्माईलाबाद जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया था।

सिवाह में नहर से अज्ञात का शव मिला

पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह में बाईपास के पास दिल्ली पैरलल नहर से करीब 40 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। इधर, पुलिस की जांच में मृतक से ऐसी कुछ बरामद नहीं हुआ जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। पुलिस ने जहां शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया, वहीं मृतक की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए है। पुलिस ने सोनीपत, करनाल, जींद, रोहतक, कैथल जिलों की पुलिस को भी मृतक का फोटो भेज कर उसकी शिनाख्त में सहयोग मांगा है।

जिला सचिवालय में महिला पुलिस से छेड़खानी

पानीपत। पानीपत के जिला सचिवालय में तैनात एक महिला स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) ने यशपाल मलिक नामक व्यक्ति के साथ ड्यूटी के दौरान छेडखानी करने, जातिसूचक शब्द कह कर अपमानित करने, ड्यूटी को बाधित करने के आरोप में थाना सिटी में केस दर्ज करवाया है। महिला एसपीओ का आरोप है कि यशपाल मलिक उसे लंबे समय से परेशान कर रहा है। पांच मार्च को जब वह ड्यूटी पर थी तो यशपाल मलिक ने उसकी ओर अश्लील इशारे किए और उसकी चुन्नी उतार दी, वहीं, जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया।

यमुनानगर की एंटी नारकोटिक सेल की टीम द्वारा पकड़े गए आरोपी।

लाखों की चरस व 120 ग्राम हेरोइन के साथ दो काबू

- जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने किया आरोपियों को गिरफ्तार
- अदालत में पेश कर लिया आरोपियों का रिमांड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने दो अलग अलग स्थानों से पांच किलोग्राम चरस व 120 ग्राम हेरोइन के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से बरामद चरस की कीमत करीब 20 लाख रुपये और हेरोइन की कीमत करीब पांच लाख रुपये है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है।

डीएसपी रजत गुलिया ने बताया कि एंटी नारकोटिक सेल के इंचार्ज अनिल कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक नशीले पदार्थों के साथ गांव तेलीपुरा बाईपास पुल के पास घूम रहा है। टीम ने तुरंत मौका पर पहुंचकर एक युवक को काबू किया। पूछताछ पर जिनकी पहचान मुखर्जी पार्क जगाधरी निवासी राजकुमार उर्फ चाकू पुत्र त्रिवेणी के नाम से हुई। मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार सरस्वती नगर संदीप शर्मा को बुलाया गया। तलाशी के दौरान आरोपी से 120 ग्राम हेरोईन बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया।

डीएसपी रजत गुलिया ने बताया कि एंटी नारकोटिक सेल की दूसरी टीम ने स्टार्च मिल रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक आरोपी को पांच किलो चरस के साथ आरोपी गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान अब्दुल मनान अंसारी पुत्र रेफूल अंसारी गांव मोहम्मदपुर मालदा जिला पश्चिमी चंपारण बिहार के रूप में हुई। बरामद चरस की कीमत करीब 20 लाख रुपये है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया।

अग्निशमन कर्मियों की चौथे दिन भी हड़ताल जारी

कुरुक्षेत्र। अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के कर्मचारी चौथे दिन शनिवार को भी हड़ताल पर रहे। 16 फरवरी 2026 को फरीदाबाद में अग्निशमन विभाग के दो कर्मचारी शहीद हुए उनकी शहादत को शहीद का दर्जा दिलवाने के लिए चौथे दिवसीय हड़ताल है जिसकी अध्यक्षता प्रधान मनजीत सिंह ने की और मंच का संचालन नेकीराम ने किया। सर्व कर्मचारी संघ से राज्य के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी संदीप सांगवान, जिला सचिव संदीप नरवाल व ब्लाक प्रधान थानेसर विशाल सेन मौके पर मौजूद रहे। इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ जिला कुरुक्षेत्र की टीम ने हड़ताल का समर्थन किया। राम नाथ, संदीप सिंह संदीप सागवान, रामेश्वर सिंह, हाकम सिंह, कुलदीप सिंह, जगमीत सिंह, करनैल सिंह, राकेश कुमार, नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

इनेलो विधायक की फैक्ट्री पर फायरिंग मामले में पुलिस की दो बदमाशों के साथ मुठभेड़

- एक बदमाश के पैर पर लगी गोली, अस्पताल में उपचाराधीन
- आरोपियों से दो पिस्टल व एक बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव जठलाना में पूर्व विधायक दिलबाग सिंह की फैक्ट्री पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीती रात जठलाना क्षेत्र में सीआईए टू पुलिस टीम और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली लग गई, जबकि उसके साथी को भी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से दो पिस्टल और एक बाइक बरामद हुई है। घायल बदमाश को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि दूसरे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गए बदमाश को अदालत में पेश किया। जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है।

गौरतलब है कि इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी अमन को सात अप्रैल को गिरफ्तार किया था। आरोपी अमन ने भी पुलिस कस्टडी से भागने का प्रयास किया था। पुल से गिरकर वह भी घायल हो गया था। आरोपी अमन का इलाज भी अस्पताल में चल रहा है। तीनों आरोपी जिला कुरुक्षेत्र के सुनहरी खालसा गांव के रहने वाले हैं और आपस में करीबी दोस्त बताए जा रहे हैं। तीनों ने कुख्यात नौनी राणा और इनामी बदमाश शुभम पंडित के इशारे पर पूर्व विधायक की फैक्ट्री पर फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताया कि पुलिस को बीती रात दोनों आरोपियों की जठलाना क्षेत्र में मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद सीआईए टू टीम ने इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने गांव कांजनु के पास पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। जिसमें एक आरोपी हर्ष के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने आरोपी हर्ष और उसके साथी अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया।

25 गांवों में बस सेवा बंद, बस चालक को फायर ब्रिगेड पर तैनात किया, ग्रामीणों ने सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

- बस सेवा बंद होने से यात्री परेशान, दैनिक यात्रियों के साथ स्कूल-कॉलेज के छात्र भी मुसीबत में, शाहाबाद से साढ़ौरा के लिए चलती थी बस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। तंदवाल में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग।

शाहाबाद से साढ़ौरा वाया तंदवाल चलने वाली रोडवेज बस सेवा पिछले चार दिनों से ठप है। इसकी वजह से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। शनिवार को गांव तंदवाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किसा। साथ ही सरकार और परिवहन विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार ने बस चालक की डयूटी को रोडवेज बस से हटाकर फायर ब्रिगेड में लगा दी। इसके चलते इस रूट पर बस सेवा चरमरा गई। ग्रामीणों ने बताया कि यह बस शाहाबाद से साढ़ौरा वाया तंदवाल रूट नंबर 86 पर चलती थी। करीब 25 गांवों के लोगों के लिए आवागमन का मुख्य साधन थी। इस बस के बंद होने से स्कूली बच्चों, कॉलेज विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि हर दिन इस बस से सैकड़ों यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचते थे लेकिन पिछले चार दिनों से बस सेवा बंद होने से उनकी दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि यह बस रोजाना पांच चक्कर लगाती थी। शाहाबाद, रावा, पाडलू, डाडलू, सोहाता, राउमाजरा, तंदवाल, चहलमाजरा, दादुपूर, सज्जनमाजरी, मौजगढ़ मोड़, बराड़ा, होली, दोसड़का, सिंबला, डुलियानी, धनौरा, बिंजलपुर, जफरपुर, सरदेहड़ी, शेरपुर, सरांवा, कनीपला और साढ़ौरा सहित लगभग 25 गांवों को जोड़ती थी।

पांच चक्कर लगाती थी बस

अंबाला डिपो की यह बस इस रूट पर पूरे दिन में पांच चक्कर लगाती थी। यह बस सुबह बराड़ा से शाहाबाद के लिए रवाना होती है। बस बराड़ा बस स्टैंड से सुबह 6.30 बजे चलती थी और 7.05 बजे गांव तंदवाल पहुंचती थी। लगभग 7.30 बजे शाहाबाद बस स्टैंड पर पहुंचती थी। इसके बाद यह बस शाहाबाद से साढ़ौरा वाया तंदवाल के लिए लगभग 7.45 बजे रवाना होकर 8.20 तक गांव तंदवाल पहुंच जाती थी। साढ़ौरा पहुंचने के बाद यह बस फिर शाहाबाद की ओर चलती थी। लगभग 10.15 बजे गांव तंदवाल पहुंचती । इसके बाद शाहाबाद पहुंचकर यह बस लगभग 11.15 पर दोबारा शाहाबाद से साढ़ौरा के लिए रवाना होकर करीब 11.45 पर गांव तंदवाल पहुंचती है। फिर साढ़ौरा से वापस शाहाबाद की ओर आते हुए यह बस दोपहर करीब 2.15 बजे गांव तंदवाल में पहुंचती रही।

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदेगी सरकारः ढांडा

- शिक्षा मंत्री ने किया मंडियों का दौरा, फसलों की खरीद का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा अनाज मंडी में फसल की खरीद का जायजा लेते।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शनिवार को नई अनाज मंडी का दौरा कर किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने पानीपत मंडी में पहुंचकर खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया और यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से निगरानी की कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंडी दौरे के दौरान शिक्षा मंत्री ने मंडी में ढेरियों पर जाकर किसानों की फसल का निरीक्षण किया व अपने सामने ही फसल की नापतोल करवाई और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ढांडा ने किसानों और व्यापारियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को समझा और भरोसा दिलाया कि सरकार हर स्तर पर किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान हितों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर किसान की फसल का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाए। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया, पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व स्वामी धर्मदेव के मार्गदर्शन में स्मृति न्यास का गठन

विभाजन की विभीषिका झेलने वालों की याद में बनेगा राष्ट्रीय स्मारक

- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व स्वामी धर्मदेव के मार्गदर्शन में स्मृति न्यास का गठन
- रमेश चंद जुनेजा को बनाया गया आजीवन राष्ट्रीय अध्यक्ष, बंटवारे के समय मिले घावों से नई पीढ़ी को रूबरू कराएगा न्यास : बोधराज सीकरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। बैठक में जानकारी देते हुए केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल।

देश की आजादी के समय वर्ष 1947 के विभाजन की उस अमानवीय त्रासदी में लाखों लोगों ने अपना घर-बार खोया और अनगिनत जिंदगियां मजहबी उन्माद की भेंट चढ़ गईं। उन बलिदानों और संघर्षों को संजोने के लिए विभाजन विभीषिका स्मृति न्यास के गठन की घोषणा की गई है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन में विभाजन विभीषिका स्मृति न्यास का गठन किया गया है। नए न्यास के सेटलर एवं संस्थापक अध्यक्ष स्वामी धर्मदेव और ट्रस्ट के नवनियुक्त महामंत्री बोधराज सीकरी ने बताया कि मैनकाइंड फार्मा लिमिटेड के चेयरमैन रमेश चंद जुनेजा को इस ट्रस्ट का आजीवन राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। नई टीम में सुमन कांत मुंजाल, सुनील सचदेवा, सुनील सतीजा, राजीव गुलाटी, मनमोहन चावला, अजय खन्ना, पीके दत्ता, राजीव मुकुल, दिनेश नागपाल, पूर्ण डाबर, सुरजीत ओबेरॉय, बलदेव राज भाटिया, सुमित नंदा, प्रवीण भाटिया, सतीश ग्रोवर, अभिषेक बंगा को शामिल किया गया है।

ऋषिकेश हरिद्वार में विशाल विभाजन स्मारक और संग्रहालय निर्माण प्रस्ताव

बोधराज सीकरी ने बताया कि न्यास ऋषिकेश हरिद्वार में विशाल राष्ट्रीय स्मारक और अत्याधुनिक संग्रहालय का निर्माण करेगा। न्यास न केवल उस दौर के दर्द को याद रखेगा, बल्कि नई पीढ़ी को भारत की मिट्टी के उस सबसे गहरे घाव से रूबरू कराएगा, जो बंटवारे के समय मिले थे। इस स्मारक में भगवान राम, अरुट महाराज, माता हिंगलाज, महर्षि कश्यप, गुरु तेग बहादुर, गुरु गोविंद सिंह, शहीद भगत सिंह, शहीद मदन लाल ढींगरा कई अन्य समाज के चित्र प्रदर्शित किये जाएंगे। प्रस्तावित संग्रहालय में हॉरर गैलरी और विस्थापन गलियारा बनाया जाएगा, जहां अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से उन दृश्यों को दर्शाया जाएगा। सीकरी के अनुसार, ट्रस्ट के सदस्य बनने की सहमति सुभाष अरोड़ा, हरिंदर होरा, संजीव कुमार, ओमप्रकाश कथूरिया, दीप कालरा, चंद्रशेखर तनेजा, विकास कपूर ने दी है। प्रसिद्ध आध्यात्मिक संतों ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन आश्रम के प्रमुख आध्यात्मिक गुरु स्वामी चिदानंद सरस्वती मुनिजी, ऋषि चैतन्य आश्रम गन्नौर की संस्थापिका आनंदमूर्ति गुरु मां, रोहतक जिला के कलानौर स्थित प्रसिद्ध गद्दी टिकाणा सती भाई साईं दास जी के श्री 108 महंत राम सुखदास जी महाराज को ट्रस्ट में मुख्य संरक्षक, संरक्षण के रूप में मनोनीत किया गया है। इनके अलावा असम के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी, सेवानिवृत्त आईएएस सुरीना राजन कुमार, सेवानिवृत्त आईएएस मुकेश आहूजा, सेवानिवृत्त कुलपति डा. अशोक दिवाकर, सेवानिवृत्त कुलपति डा. मार्कण्डेय आहूजा को भी शामिल किया गया है।

खबर संक्षेप

उपभोक्ता फोरम ने बीमा कंपनी को दिया क्लेम भुगतान आदेश

यमुनानगर। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने उपभोक्ता के हितों की रक्षा करते हुए एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। आयोग ने लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया है कि वह मृतक पॉलिसीधारक की पत्नी को 49 लाख 56 हजार 140 रुपये के बीमा दावे का भुगतान करे। इसके साथ ही, कंपनी को मानसिक प्रताड़ना और कानूनी खर्च के रूप में 11 हजार रुपये अतिरिक्त देने होंगे। जानकारी के अनुसार सुप्रिया शर्मा ने आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पति सुशील कुमार शर्मा ने नवंबर 2019 में 50 लाख रुपये की जिंदगी प्लस जीवन बीमा पॉलिसी ली थी। जब सुप्रिया शर्मा ने बीमा दावे के लिए आवेदन किया तो कंपनी ने इसे यह कहकर खारिज कर दिया कि उनके पति ने पॉलिसी लेते समय अपनी पुरानी बीमारी की जानकारी छुपाई थी। आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया है कि निर्धारित समय में भुगतान नहीं किया गया, तो कंपनी को शिकायत दर्ज करने की तिथि से वास्तविक भुगतान तक नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

युवक पर लगाया बहला फुसला कर दुष्कर्म का आरोप

यमुनानगर। शहर की एक कालोनी निवासी महिला ने युवक पर उसे बहला फुसलाकर करीब नौ साल तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर की एक कालोनी निवासी 31 वर्षीय महिला ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी अनुज नामक युवक के साथ 2017 से जान पहचान थी। पीड़िता ने बताया कि एक जनवरी 2017 को आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी पर विश्वास करके उससे मिलने के लिए गई तो आरोपी ने उसे बहला फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़ति ने बताया कि इसके बाद भी आरोपी 2026 तक डरा धमका कर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा।

टेक्सटाइल क्षेत्र में करियर बनाएं विद्यार्थी : डॉ गुप्ता

पानीपत। आर्य पीजी कालेज के बी.वोक टेक्सटाइल एवं फैशन डिजाइनिंग और होम साइंस विभाग द्वारा शनिवार को छठें सिनर्जिक-2026 फैशन शो एवं प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। वहीं, कालेज में फैशन, सृजनात्मकता और तकनीकी कौशल के अद्भुत समन्वय को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर्य कालेज प्रबंधक समिति के उपाध्यक्ष वीरेंद्र शिंगला ने शिरकत की। वहीं, प्राचार्य गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियों की प्रतिभा का जीता जागता प्रमाण है।

शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बनें विद्यार्थी :आलम

पानीपत। चौधरी देवीलाल मेमोरियल पीजी कॉलेज गांव सिवाह में वार्षिक उत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह, फेयरवेल पार्टी का आयोजन हुआ। वहीं, मुख्य अतिथि के रूप में पानीपत रिफाइनरी से शहजाद आलम आईआईटी खरगपुर से अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। आलम ने छात्राओं से शिक्षित हो आत्मनिर्भर बन देश की सेवा करने का आह्वान किया।

कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शनकारियों को दिया पूर्ण समर्थन

मंडियों में आ रही समस्याओं पर किसानों ने किया धरना-प्रदर्शन

भाकियू (टिकैत) के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने जिला सचिवालय के समक्ष मार्ग पर लगाया जाम, प्रदेश सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। जिला सचिवालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों को संबोधित करते हुए किसान नेता।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बैनर तले किसानों ने अनाज मंडियों में गेहूं बेचने के दौरान आ रही समस्याओं को लेकर शनिवार को जिला सचिवालय के समक्ष मार्ग पर धरना प्रदर्शन किया और जाम लगाकर यातायात को ठप कर दिया। मौके पर अधिकारियों ने पहुंचकर किसी तरह यातायात को सुचारू करवाया। इस दौरान किसानों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

शनिवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिला अध्यक्ष सुभाषर्ष गुर्जर के नेतृत्व में जिले के सैंकड़ो किसान जिला सचिवालय के समक्ष पहुंच गए और धरना प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान किसानों ने जिला सचिवालय के समक्ष मार्ग पर जाम लगा दिया और धरने पर बैठ गए। सूचना मिलते ही मौके पर प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस ने पहुंचकर यातायात को सुचारू करवाया। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमन त्यागी के नेतृत्व में कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल पर पहुंचकर किसानों को अपना समर्थन किया। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता रमन त्यागी ने कहा कि भाजपा ना तो नियम बदलेगी और ना बदलाव करेगी। इसलिए हम सबको इकट्ठे होकर बदलाव लाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनाज मंडियों में व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। खासकर बायोमीट्रिक प्रणाली में आ रही तकनीकी खामियों के कारण किसानों को अपनी फसल बेचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद उनकी बारी नहीं आ पा रही है। रमन त्यागी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। जिसके चलते उन्हें सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान करे। अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

गेहूं खरीद के लिए किसानों पर लगाई जा रही शर्तें : सुभाष गुर्जर

मौके पर भाकियू के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि आजकल गेहूं की कटाई जोरों पर है। मगर अनाज मंडियों में किसानों की गेहूं खरीदने के दौरान अनेकों शर्तें लगाई जा रही हैं। अनाज मंडियों में कहीं गेट पास तो कहीं नमी की मात्रा को लेकर किसानों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ किसान पर मौसम की मार पड़ रही है। वहीं, दूसरी तरफ अनाज मंडियों में गेहूं में नमी की मात्रा अधिक बताकर उसे खरीदने से मना किया जा रहा है। आलम यह है कि किसानों को अपनी गेहूं को बेचने के लिए कई कई दिन अनाज मंडियों में रहना पड़ रहा है। जिसे किसान बर्दाश्त नहीं करेंगे। आज पूरे प्रदेश में किसान भाजपा सरकार की नई नीतियों कें कारण परेशानियों को सामना कर रहा है। फसल बेचते समय किसानों को गेट पास समेत अन्य फिजूल प्रक्रियाओं में लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार लगातार किसानों की परेशानी बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने सरकार से किसानों की गेहूं को मंडी में पहुंचते ही खरीदे जाने की मांग की।

स्वच्छता में वार्ड समितियां निभाएं भागीदारीः बहमनी

यमुनानगर। वार्ड समितियों की बैठक को संबोधित करते हुए मेयर सुमन बहमनी।

- निगम कार्यालय में हुई वार्ड समितियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा निगम कार्यालय में स्वच्छता जन भागिता अधिनियम 2008 के तहत गठित वार्ड समितियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने की। बैठक में वार्ड समितियों के अध्यक्ष, वार्ड पार्षदों, समिति सदस्यों व निगम अधिकारियों ने भाग लिया।

मेयर ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने सभी पार्षदों, वार्ड समिति सदस्यों एवं आमजन से अपने अपने वार्ड में स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाए जाने, लोगों को जागरूक करने व शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि सभी मिलकर कार्य करेंगे तो स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में शहर को प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में भी अग्रणी स्थान दिलाया जा सकता है। निगम के अतिरिक्त निगमायुक्त धीरज कुमार ने कहा कि समिति सदस्यों से अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, कचरा उठान, डोर टू डोर कलेक्शन, सार्वजनिक शौचालयों एवं अन्य नागरिक सुविधाओं की नियमित निगरानी करने तथा समस्याओं की सूचना समय पर नगर निगम को दिए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता बढ़ाकर ही शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाया जा सकता है। बैठक में उपस्थित सभी पार्षदों एवं समिति सदस्यों ने भी अपने अपने सुझाव रखे और नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियानों में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। वहीं, स्वच्छ भारत मिशन शहरी के सलाहकार लोकेश सेन ने पीपीटी के माध्यम से वार्ड समितियों के गठन, उनकी कार्यप्रणाली, संचालन, उद्देश्य, भूमिका एवं नागरिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर निगम के मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह व विनोद बेनीवाल आदि मौजूद रहे।

पीने के पानी के नलों पर निःशुल्क मीटर लगाएगा विभाग : नायक

- कस्बे में बिना मीटर के उपभोक्ताओं से वसूला जा रहा छह महिने का बिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर। पीने के पानी के नलों पर मीटर लगाने की जानकारी देते जलापूर्ति विभाग के एसडीओ रवि नायक।

जलापूर्ति विभाग रादौर कस्बा स्थित पीने के पानी के नलों पर निःशुल्क मीटर लगाएगा। ताकि पानी की बचत हो सके। उक्त जानकारी जलापूर्ति विभाग रादौर के एसडीओ रवि नायक ने दी।

एसडीओ रवि नायक ने बताया कि प्रदेश सरकार की योजना के तहत रादौर में जल्द ही साढ़े चार हजार पीने के पानी के नलों पर विभाग की ओर से निःशुल्क मीटर लगाए जाएंगे। योजना की शुरूआत कस्बा के जाटनगर से की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कस्बा में बिना मीटर के उपभोक्ताओं से छह महीने का 720 रुपये बिल वसूला जा रहा है। मगर इसके बाद कस्बा में पीने के पानी के नलों पर मीटर लगने से उपभोक्ताओं से छह महीने का कुल 360 रुपये वसूला जाएगा। इससे जहां उपभोक्ताओं को बिलों में पैसे की बचत होगी। वहीं, मीटर लगने से पानी की भी बचत होगी। एसडीओ रवि नायक ने बताया कि अगले छह महीने के भीतर रादौर के सभी घरों में पीने के पानी के नलों पर मीटर लगा दिए जाएंगे। इसके लिए ठेकेदार को टेंडर दे दिया गया है। जल्द काम शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अपने पीने के पानी के नलों पर मीटल लगवाए जाने में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

सुखमणी साहिब का पाठ कर लोगों की सुख शांति की कामना

रादौर। गुरुद्वारा सिंह सभा रादौर में रोटरी क्लब वूमेन द्वारा सुखमणि साहिब पाठ का आयोजन करवाया गया। सुखमणि साहिब पाठ में सैंकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रोटरी क्लब वूमेन की प्रधान पूजा माटिया ने बताया कि कशिश ककड़ के साथ आए रागी जत्थे ने सुखमणि साहिब का पाठ किया। उन्होंने बताया कि क्लब की ओर से पहली बार बैसाखी पर्व के उपलक्ष में सुखमणी साहिब का पाठ करवाया गया है। सुखमणी साहिब का पाठ आयोजित कर अच्छी फसल की कामना की गई है। वहीं ईरान व इजराइल के बीच चल रहे युद्ध के जल्द समाप्त होने की कामना की गई। जिससे दुनिया में शांति हो सके। मौके पर पूनम चोपड़ा, दीपा चोपड़ा, वीणा चोपड़ा, मीनाक्षी, नीलम मेहता, परमजीत, साक्षी, अनीता झांब, खुशी कक्कड़, कमल सैनी, सुदेश शर्मा, कमलेश मिगलानी, पूनम अरोड़ा, निधि सेठी, रानी आहूजा, रिया आहूजा, नीलम आदि रहे।

विकास कार्यों में अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का प्रयोग करें अधिकारी : अरोड़ा

- विधायक ने भगवानगढ़ में बन रहे बैडमिंटन कोर्ट समेत अन्य विकास कार्यों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। गांव भगवानगढ़ में विकास कार्यों का निरीक्षण करते विधायक अरोड़ा।

भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में समान रुप से विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य किए जा चुके हैं और करोड़ो रुपये के विकास कार्यों प्रगति पर है। उक्त बात सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने शनिवार को गांव भगवान गढ़ में बन रहे बैडमिंटन कोर्ट, सामुदायिक केंद्र, सड़क का निरीक्षण करते हुए दी।

सिटी विधायक ने कहा कि सीएम नायब सैनी भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास की भावना उनकी विचारधारा की जीवंत अभिव्यक्ति है। राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला तथा समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यो में इस्तेमाल की जा रही सामग्री उच्च क्वालिटी की होनी चाहिए व सभी कार्य तय समय सीमा में पूरे किए जाने चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। वह अपने यमुनानगर क्षेत्र में भाजपा सरकार के सौजन्य से करोड़ों रुपये के विकास कार्य लगातार करवा रहे हैं।

खेतों में आग से निपटने के लिए रखें ट्रैक्टर वाला स्प्रे पंपः कुमार

- बिजली निगम रादौर के एसडीओ दीपांशु ने किसानों से की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

गेहूं कटाई के दौरान चल रही तेज हवा के कारण किसी भी अप्रिय घटना से फसल को बचाने के लिए किसान अपने खेतों में पानी से भरकर ट्रैक्टर वाला स्प्रेपंप जरुर रखें। ताकि जरुरत पड़ने पर पानी से भरे स्प्रे पंप से फसल का बचाव किया जा सके। उक्त जानकारी बिजली निगम रादौर के एसडीओ दीपांशु ने बातचीत करते हुए दी।

बिजली निगम रादौर के एसडीओ दीपांशु कुमार ने क्षेत्र के सभी किसानो से अपील की है कि जिस किसी किसान के पास ट्रैक्टर वाला स्प्रें पंप है। वह अपने स्प्रें पंप को पानी का भरकर अपने खेत में खड़ा रखें। वहीं किसान अपने ट्यूबवैल को रोजाना पांच से सात मिनट चलाएं और अपने खेतों की नालियों में रोजाना पानी भरें। ताकि कहीं पर कोई आगजनी की घटना हो जाती है तो उस पर काबू पाया जा सके। किसान अपने खेत में खड़े ट्रांसफार्मर के साथ में जो गेहूं है उसे थोड़ा कच्चा ही काटकर ट्रांसफार्मर के आसपास कस्सी या फावड़े से निराई गुड़ाई कर दें। ताकि कोई चिंगारी वगैरह निकले तो वहां पर आगजनी ना हो सके।

युवाओं को रोजगार मुहैया करवाना प्रशासन की प्राथमिकता : नगराधीश

- जिला शिक्षा आत्मनिर्भर कमेटी के सदस्यों की लघु सचिवालय में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। बैठक में दिशा निर्देश देते नगराधीष पीयूष गुप्ता। *फोटो : हरिभूमि*

जिला शिक्षा आत्मनिर्भर कमेटी की बैठक का आयोजन लघु सचिवालय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगराधीश पीयूष गुप्ता ने की। उन्होंने कमेटी के सदस्यों को दिशा निर्देश दिए।

नगराधीश पीयूष गुप्ता ने जिले में स्थित विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी प्रतिष्ठानों में रिक्त पड़ी सीटों की समीक्षा की। उन्होंने रिक्त पड़ी सीटों को शीघ्र भरने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों एवं संस्थानों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बैठक में अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने, उद्योगों एवं संस्थानों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने तथा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार से जोड़ने के विषय में विस्तार से चर्चा की। मौके पर बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने अपने अपने सुझाव सांझा किए।

ज्योतिराव फूले ने दलितों व महिलाओं को दिलाया था शिक्षा का अधिकारः संदीप सैनी

रादौर। सैनी समाज रादौर द्वारा शनिवार को महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती कस्बा के खेड़ा मोहल्ला में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में सैनी समाज के प्रधान संदीप सैनी ने भाग लिया। मौके पर गणमान्य लोगों ने महात्मा ज्योतिराव फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यातिथि एवं सैनी समाज के प्रधान संदीप सैनी ने बताया कि ज्योतिबा फुले सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने 19वीं सदी में महिलाओं और दलितों को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया। पत्नी सावित्रीबाई फुले को पढ़ाकर देश की पहली महिला शिक्षिका बनाया। युवाओं ने फुले जी के विचारों को अपनाने का संकल्प लिया। सैनी समाज ने भारत सरकार से उनको भारत रत्न देने की मांग की।

रोजगार मेले में आईटीआई के 250 युवाओं को किया शार्टलिस्ट

- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नाचरौन में हुआ रोजगार मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

रादौर। रोजगार मेले में मुख्यातिथि का स्वागत करते आयोजक। *फोटो : हरिभूमि*

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(आईटीआई) नाचरौन में जिला रोजगार विभाग के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें आईटीआई व अन्य व्यवसायों के करीब पांच सौ युवाओं ने साक्षात्कार दिया। मेले का शुभारंभ कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के बेटे नेपाल राणा ने किया। संस्थान के प्रधानाचार्य सतीश कुमार व जिला रोजगार अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बुके भेंटकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। जिला रोजगार अधिकारी डॉ.अरुण कुमार ने बताया कि रोजगार मेले में चंद्रपुर इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड कांजनू, इस्जैक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड यमुनानगर, समाया हेल्थ सेंटर, लार्क इंजीनियरिंग प्राइवेट यमुनानगर, यूनिट एग्रो लिमिटेड धौड़ंग, एसआईएस यमुनानगर आदि कंपनियों ने पहुंचकर युवाओं का साक्षात्कार लिया। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में आईटीआई समेत विभिन्न व्यावसायों के करीब 500 युवाओं ने भाग लिया। जिनमें से 250 प्रतिभागियों को विभिन्न प्रतिष्ठानों के लिए शार्टलिस्ट किया गया।

कक्षा में तनाव प्रबंधन व समावेशी वातावरण पर डाला प्रकाश

छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य पर जागरुक होना जरूरीः गर्ग

मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्रोत्साहित विषय पर हुआ क्षमता निर्माण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। क्षमता निर्माण कार्यक्रम में मुख्यवक्ताओं के साथ भाग लेते शिक्षक।

दिल्ली पब्लिक स्कूल यमुनानगर में शनिवार को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्रोत्साहित विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में स्कूल के चेयरमैन रामनिवास गर्ग ने भाग लिया। उन्होंने दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में आर्मी पब्लिक स्कूल अंबाला से विषय विशेषज्ञ जसजीत कौर व मुकंदलाल स्कूल यमुनानगर से साक्षी सिक्का ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ जसजीत कौर विद्यार्थियों में मानसिक तनाव के प्रारंभिक संकेतों की पहचान, कक्षा में तनाव प्रबंधन तथा एक समावेशी वातावरण के निर्माण पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना और उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना जरुरी है। वहीं, साक्षी सिक्का ने विद्यालय दिनचर्या में वेलनेस गतिविधियों को समाहित करने तथा विद्यार्थियों में आत्मबल एवं सहनशीलता विकसित करने के व्यावहारिक उपाय सांझा किए। मौके पर इंटरएक्टिव गतिविधियां एवं समूह चर्चाएं आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों को विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझने, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पूर्वाग्रहों को दूर करने तथा समग्र देखभाल दृष्टिकोण अपनाने की महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। विद्यालय के चेयरमैन राम निवास गर्ग ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए स्कूल स्टाफ सदस्यों व आयोजकों की सराहना की। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूर्णिमा वाधवा ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना और उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना रहा।

खबर संक्षेप

भारतीय अटल सेना के जिलाध्यक्ष बने मेघराज

कुरुक्षेत्र। भारतीय अटल सेना के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष मेघराज बंसल ने पदभार संभालते ही संगठन को जिलेभर में मजबूत करने और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अटल सेना समाज सेवा के उद्देश्य से पूरे जिले में व्यापक स्तर पर कार्य करेगी और जल्द ही संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा।

13 को मनाई जाएगी आंबेडकर जयंती : ईश्वर

कुरुक्षेत्र। पूर्व सांसद राज्यसभा एवं पूर्व विधायक गुहला ईश्वर सिंह ने बताया कि डॉ भीमराव अंबेडकर कोलेज खेड़ी मारकंडा में अंबेडकर जयंती 13 अप्रैल को मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहेंगे, जबकि शंभू राठी एचसीएस अधिकारी विशिष्ट अतिथि होंगे। इसके अलावा बहुत से शिक्षाविद, गणमान्य सामाजिक प्रतिष्ठित विभूतियों का भी आगमन होगा। इस दौरान सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ साथ अंबेडकर जी की जीवनी पर परिचर्चा भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बाबैन अनाज मंडी में लिया गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा

फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : नायब सैनी

- मुख्यमंत्री ने गेहूं बेचने वाले किसान धर्मचंद को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। बाबैन अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लेते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहलें लागू की हैं। इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन-स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस व्यवस्था के तहत खरीद केंद्रों पर लाई गई फसल का किसान द्वारा पंजीकृत फसल से मिलान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे फसल सत्यापन प्रक्रिया अधिक सटीक और विश्वसनीय बन रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को बाबैन अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा ले रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी का अनाज मंडी बाबैन में पहुंचने पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों से मंडी में गेहूं लेकर आने, विक्रय करने और पेमेंट सहित अन्य दिक्कतों के बारे में बातचीत की। किसानों ने प्रदेश सरकार की योजना की खूब तारीफ की और कहा कि जब वो मंडी में गेहूं लेकर पहुंचे तो उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने सामने गेहूं बेचने वाले हमीदपुर निवासी किसान धर्मचंद को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री मंडी में स्थित पूर्व चेयरमैन डिम्पल सैनी की दुकान पर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही और सुव्यवस्थित ढंग से खरीद कार्य को सफलतापूर्वक संचालित कर रही है तथा सभी फसलों की खरीद सुनिश्चित की जा रही है। राज्य सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद सुनिश्चित की जाएगी। सरकार ने खरीद प्रणाली में व्यापक सुधार लागू किए हैं तथा प्रत्येक मंडी में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

फसल नुकसान एवं भरपाई के लिए कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा व फतेहाबाद में किसानों के लिए खोला पोर्टल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 6, 7 व 8 अप्रैल को बारिश के कारण प्रदेश के 4 जिलों फतेहाबाद, हिसार, सिरसा व कुरुक्षेत्र के कुछ गांवों में फसलों को नुकसान होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। उन्होंने स्वयं संबंधित जिलों के उपायुक्तों से बात कर स्थिति का पता लगाया है। फसलों को हुए नुकसान एवं भरपाई के लिए कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा व फतेहाबाद के लिए पोर्टल खोल दिया गया था, बाकी नुकसान वाले जिलों में भी तुरंत कारवाई कर ली जाएगी। इनमें कुरुक्षेत्र के 6 गांव, फतेहाबाद जिले के 9 गांव, हिसार के 10 गांव तथा सिरसा के 2 गांव शामिल हैं। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, एसडीएम अनुभव मेहता, चेयरमैन जसविंद्र सिंह, जयभगवान शर्मा डीडी, प्रदेश सचिव राहुल राणा, प्रधान जितेंद्र खैरा, मार्केट कमेटी सचिव गुरमीत सिंह, एएफएसओ बृज मोहन, सरपंच संजीव गोल्डी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

केवल वाहन की फोटो के आधार पर भी गेट पास जारी करने की दी अनुमति

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खरीद प्रक्रिया में किसान की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 3 नामांकित व्यक्तियों को भी बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि मंडियों में माल की ट्रेसबिलिटी और जवाबदेही बढ़ाने के लिए एंट्री गेट पास जारी करते समय वाहन नंबर और वाहन/लोड की फोटो दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। हालांकि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बहुत पुराने या नए वाहनों के मामलों में, जहां वाहन नंबर उपलब्ध नहीं होता, वहां केवल वाहन की फोटो के आधार पर भी गेट पास जारी करने की अनुमति दी गई है।

गुड़गांव-मानेसर आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई का किया विरोध

जनसंघर्ष मंच हरियाणा का मजदूरों के समर्थन में प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। विरोध प्रदर्शन में शामिल जनसंघर्ष मंच हरियाणा के कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गुड़गांव-मानेसर औद्योगिक क्षेत्र में चल रहे मजदूर आंदोलन पर पुलिस दमन के विरोध में शनिवार को जन संघर्ष मंच हरियाणा के कार्यकर्ताओं ने जिला सचिवालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हरियाणा सरकार से तत्काल दमन रोकने, गिरफ्तार मजदूरों को बिना शर्त रिहा करने और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन की अध्यक्षता मंच के राज्य प्रधान कामरेड फूल सिंह ने की। इस दौरान महासचिव सुदेश कुमारी, प्रवक्ता सोमनाथ, राज्य कैशियर कामरेड चंद्र रेखा, निर्माण कार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन के प्रधान करनैल सिंह और मनरेगा मजदूर यूनियन के प्रधान नरेश कुमार सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने 9 अप्रैल को हुई पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मजदूरों पर बर्बर लाठीचार्ज किया गया है, 55 मजदूरों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 20 महिलाएं भी शामिल हैं। अगले दिन उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने इसे मजदूरों की आवाज दबाने की कोशिश बताते हुए कहा कि जहां श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले मालिकों पर कार्रवाई नहीं होती, वहीं अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे मजदूरों का पुलिसिया दमन किया जा रहा है। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला उपायुक्त के माध्यम से उनके प्रतिनिधि डीआरओ को सौंपा गया। ज्ञापन में गुड़गांव मानेसर में मजदूरों पर दमन रोकने, सभी गिरफ्तार श्रमिकों की बिना शर्त रिहाई, मजदूरों पर गए मुकदमे वापस लेने, 30 हजार रुपये न्यूनतम वेतन लागू करने, ठेका प्रथा खत्म करने, समान काम के लिए समान वेतन लागू करने और चारों लेबर कोड्स को रद्द करने की मांग की गई।

पार्किंसंस के लक्षणों को नजरअंदाज न करें : ममगाईं

- हर साल 11 अप्रैल को मनाया जाता है 'वर्ल्ड पार्किंसंस डे'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हर साल 11 अप्रैल को दुनिया भर में 'वर्ल्ड पार्किंसंस डे' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य एक ऐसी बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना है, जो खामोशी से इंसान के नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) को अपना शिकार बनाती है। पार्किंसंस एक 'प्रोग्रेसिव न्यूरो-डिजनरेटिव डिसऑर्डर' है;जिसका अर्थ है कि यह समय के साथ बढ़ता जाता है और इसके कारण शरीर की गतिविधियों पर दिमाग का नियंत्रण कम होता जाता है। यह जानकारी लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल के परामर्शक फिजिशियन डॉ.शैलेंद्र ममगाईं शैली ने वर्ल्ड 'पार्किंसंस डे'के अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम पर में कही। इस कार्यक्रम का आयोजन अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी में किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पार्किंसंस का सबसे बड़ा वैज्ञानिक कारण दिमाग में 'डोपामिन' नामक रसायन की कमी है,जो हमारे शरीर के 'संदेश वाहक' की तरह काम करता है और दिमाग के संदेशों को मांसपेशियों तक पहुंचाता है। जब दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं और डोपामिन का स्तर गिर जाता है, तो शरीर के अंगों में तालमेल बिठाना मुश्किल हो जाता है। इस अवसर पर आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सिमरन कौर, डॉ. दीक्षांत मलिक, डॉ.नेहा रंगा, डॉ.सुनिधि शर्मा, डॉ.समृद्धि शर्मा, नर्सिंग अधिकारी सोनिका शर्मा, पूनम शर्मा, पूनम वर्मा, उद्योगपति ध्रुव सामाजिक कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

जयराम कन्या महाविद्यालय की छात्राओं का राज्य स्तरीय स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। देशभर में संचालित श्रीजयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष एवं श्रीजयराम शिक्षण संस्थान के चेयरमैन ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से ग्रामीण आंचल की कन्याओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से गतिमान सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय ने राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में ओवरऑल ट्रॉफी जीती है। दयानंद महिला महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव अनुगूँज 2026 में सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल ट्रॉफी अपने नाम की। महाविद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार उपलब्धियां हासिल की। प्रतियोगिता में सुहानी शर्मा बीए.तृतीय वर्ष ने वेस्ट टू वेल्थ इनोवेशन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। कल्पना बीएससी.तृतीय वर्ष ने एआई क्रिएटिव पोस्टर चैलेंज में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। नकिता एएमएम प्रथम वर्ष ने कविता पाठ प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतिभा खोज परीक्षा में विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने आयोजित की परीक्षा

पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित एक विशेष प्रतिभा खोज परीक्षा में भगवान परशु राम कॉलेज के विद्यार्थियों ने पूर्व की भांति उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया। वर्ष 2008 में आरंभ की गई इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का उद्देश्य मुख्य रूप से आट्र्स, कॉमर्स, साइंस तथा पॉलिटेक्निक वर्ग के विद्यार्थियों की प्रतिभा को परखने तथा आगामी पढाई के लिए आर्थिक लाभ, छात्रवृत्ति देना है। इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण कॉलेजों, स्कूलों और संस्थाओं में आयोजित किया जाता है। दूसरे और तीसरे चरण का आयोजन पाइट संस्थान में किया जाता है। दूसरे और तीसरे चरण का आयोजन शनिवार को हुआ। जिसमें इस प्रतियोगिता में भगवान परशुराम कॉलेज के कुल 46 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में कॉलेज के छात्रा बलजिंदर ने अपनी मेधा का परिचय देते हुए फाइनल राउंड में पहुंचकर प्रथम स्थान प्राप्त किया और 24,000 की नकद पुरस्कार राशि अपने नाम की। इसके अतिरिक्त, कविता, सार्थक, देवेंद्र एवं आयुष बंसल ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किए।

रोमांचक मैच में स्टार क्रिकेट क्लब ने शिव योद्धा को 14 रन से दी मात

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के केयू सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के प्रांगण में शनिवार को केयू गैर-शिक्षक कर्मचारी के 5वें टी-20 प्रतियोगिता के तीसरे अनौपचारिक मैच में स्टार क्रिकेट क्लब ने रोमांचक मैच में शिव योद्धा को 14 रन से मात दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्टार क्रिकेट क्लब की टीम ने 20 ओवर में 157 रन बनाए। जिसमें विजय जांगड़ा ने 7 चौके लगाकर 43 रन की नाबाद पारी खेली। शिव योद्धा की ओर से शिव शंकर ने 2 तथा सूरज जिंदल, रवि चौहान, अरविन्द श्रीवास्तव व सुशील यादव ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शिव योद्धा की टीम का पहले ही ओवर में विकेट गिर गया। लड़खड़ाती पारी को संभालते हुए सुमित ने 54 तथा रवि चौहान ने 26 व आदित्य स्वामी ने 24 रन की पारी खेली।

जो ब्रह्मभाव में जीता है वही वर्तमान में जीता है : समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया

कुरुक्षेत्र। श्रीदुर्गा देवी मंदिर पिपली, कुरुक्षेत्र के पीठाधीश और समर्थगुरु धारा हिमाचल के जोनल कोऑर्डिनेटर आचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि समर्थगुरु धाम मुरथल हरियाणा के संस्थापक समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया के सान्निध्य में समर्थगुरु आनंद धाम, माधोपुर में महोत्सव के पाँचवें दिन वर्तमान उपनिषद की दिव्य चर्चा अपने अंतिम शिखर पर पहुँची। समर्थगुरू ने जहाँ ब्रह्मभाव पर गहन प्रकाश डाला। जो ब्रह्मभाव में जीता है, वही वास्तविक अर्थ में वर्तमान में जीता है और जो अतीत एवं भविष्य में जीता है, वह संसार में भटकता रहता है। ट्विटर के माध्यम से समर्थगुरू ने बताया कि जब तक पूरा गुरु नहीं मिलता है, तब तक अनुभव ज्ञान नहीं होता है। और जब तक अनुभव ज्ञान नहीं होता है, तब तक आत्मज्ञान नहीं होता है, तब तक मुक्ति नहीं होती है। इस पावन शुभ अवसर पर समर्थगुरु धाम की सचिव मां मीराबाई, समर्थगुरू धाम के केंद्रीय संयोजक आचार्य दर्शन, आचार्य गोपाल, आचार्य अमरेश झा, आचार्य गगन, स्वामी सुशील, मां अरुणिमा और मां शशि खुल्लर के साथ अनेक साधक अपने परिवार के साथ उपस्थित रहें।

आयुष विवि में 'प्रभाषणम्' से संस्कृत के जरिए आयुर्वेद के मूल ज्ञान से जुड़ेंगे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- विद्यार्थियों को आयुर्वेदिक ग्रंथों की गहराई से कराई जाएगी समझ

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में सात दिवसीय प्रभाषणम् कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयुर्वेद अकादमी, बैंगलोर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के माध्यम से आयुर्वेद के मूल ग्रंथों की गहराई से समझ विकसित करने और उनके व्यवहारिक उपयोग से परिचित कराना है। कार्यक्रम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है, जहां विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, शास्त्रार्थ और प्रायोगिक सत्रों के माध्यम से आयुर्वेदिक ज्ञान को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। विशेषज्ञों में डॉ. संकेत वी शर्मा, डॉ. विकास कुमार, डॉ. समयाम एस.जी., डॉ. शांतनु अनिल पाटिल, डॉ. कृतिका यू.एस., डॉ. शिल्पा पांडे, डॉ. पंचमी के भट्ट व डॉ. विष्णुप्रिया शामिल हैं। इस अवसर पर प्रो. राजेंद्र चौधरी, डॉ. रामानंद सैनी, डॉ. सीमा वर्मा समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

लघु एवं मध्यम उद्योग के लिए एसएमई आईपीओ पर ज्ञानवर्धक सेमिनार आयोजित

थानेसर। हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री कुरुक्षेत्र चैप्टर द्वारा लघु एवं मध्यम उद्योग के लिए एसएमई आईपीओ के लाभ विषय पर एक सेमिनार का आयोजन एक निजी होटल में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक उद्योगपतियों, व्यापारियों एवं एमएसएमई उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि कैलाश सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि एसएमई आईपीओ जैसे आधुनिक वित्तीय विकल्प उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनके व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने उद्योगों का विस्तार करें। विशिष्ट अतिथि एफआईएसएमई के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश छाबड़ा एवं हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद खंडेलवाल ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में एमएसएमई इकाइयों के लिए पूंजी जुटाना सबसे बड़ी चुनौती है, जिसे एसएमई आईपीओ के माध्यम से प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकता है।

गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्या दक्षता वर्ग का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्या दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। विद्यालय आचार्या सोनिया द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने के लिए तथा मन की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए आसन, योग व प्राणायाम करवाए गए। विद्यालय प्राचार्या सुमन बाला ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर वंदना सत्र का शुभारम्भ किया गया। बौद्धिक सत्र प्राथमिक विभाग प्रमुख आचार्या रेखा ने लिया जिसका विषय शिक्षा पद्धति रहा। उन्होंने बताया कि शिक्षा पद्धति सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाती है। इस पद्धति द्वारा शिक्षार्थी सफल बनते हैं। शिक्षक और शिक्षार्थी मिलकर शिक्षा को प्रभावित बनाते हैं। शिक्षा मार्ग दिखाती है। शिक्षार्थी उस मार्ग पर चलकर लक्ष्य प्राप्त करता है। अनीता द्वारा समता में गण विभाग, प्रतिसर, पूर्व सर, वामा अर्ध वृत्त, दक्षिण अर्धवृत्त की आज्ञाओं का अभ्यास करवाया गया। शिक्षण सत्र में लता द्वारा संस्कृत वंदना का हिंदी में अनुवाद करवाया गया। उन्होंने बड़े ही सरल शब्दों तथा रुचि पूर्वक ढंग से वंदना को हिंदी में समझाया। नीलम द्वारा प्रेरणादायक कहानी सुनाई गई। आचार्य पिंकी ने आचार्या दक्षता वर्ग की समीक्षा की।

कार्यक्रम जनसंघर्ष मंच हरियाणा के तत्वावधान में कीर्ति नगर में हुई नुक्कड़ सभा

बालिका शिक्षा की ऐतिहासिक शुरुआत को किया याद

ज्योतिबा फुले ने महिलाओं पर पुरुषों के वर्चस्व के खिलाफ नारी शिक्षा के लिए किया संघर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले के 200वें जन्म दिवस के अवसर पर जनसंघर्ष मंच हरियाणा की ओर से कीर्ति नगर में सभा का आयोजन किया गया जिसमें मंच की महासचिव सुदेश कुमारी, वरिष्ठ नेता चन्द्ररेखा व उषा कुमारी, वन्दना, याशना आदि ने ज्योतिबा फुले द्वारा शोषित पीड़ित वंचित लोगों अनुसूचित वर्ग, महिलाओं, ,कन्या शिशुओं, बच्चों की भलाई के लिए दिए गए उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला व उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। सभा के बाद कीर्ति नगर, गांधी नगर में नुक्कड मीटिंग की गई। मंच की वरिष्ठ नेता चन्द्र रेखा व महासचिव सुदेश कुमारी, ऊषा कुमारी ने बताया कि 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सतारा में जन्में ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नि सावित्री बाई फुले व अपने सहयोगी उस्मान शेख,फातिमा शेख के साथ मिलकर देश में 1 जनवरी 1848 में प्रथम बालिका स्कूल पुणे में खोला था जिसमें उनकी पत्नी सावित्री बाई प्रथम शिक्षिका के तौर पर हर जाति व धर्म की बालिकाओं को पढाती थी। उन्होंने बताया कि उस जमाने में हमारे देश में हिंदू धर्म में यह स्थापित मान्यताएं परम्पराऐं थी कि स्त्री व शूद्र अध्ययन नहीं कर सकते। ज्योतिबा फुले सावित्री बाई फुले ने हिंदू धर्म की जाति वर्ण व्यवस्था व महिलाओं पर पुरुषों के वर्चस्व के खिलाफ नारी शिक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने आम जनता खास कर महिलाओं का आह्वान किया कि वे ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, उस्मान शेख, फातिमा शेख सरीखे समाज सुधारकों की शिक्षाओं को पुनः याद करते हुए जन विरोधी शिक्षा नीति 2020 के खिलाफ, धार्मिक कट्टरता अंधविश्वास गैर बराबरी के खिलाफ वैज्ञानिक धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के लिए व मजदूर विरोधी लेबर कोड के खिलाफ एक सतत मजबूत आन्दोलन गठित करने के लिए आगे आए।

सांसद कार्यालय में मनाई जयंती

कुरुक्षेत्र। सांसद नवीन जिन्दल कार्यालय में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं कार्यकतार्ओं ने उनके विचारों और योगदान को स्मरण करते हुए समाज में समानता और शिक्षा के प्रसार का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपने जीवन को वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष करते हुए शिक्षा को सबसे बड़ा माध्यम बनाया और महिलाओं के लिए नई राह प्रशस्त की। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं।

खबर संक्षेप

अंबाला। पकड़ा गया आरोपी पुलिस हिरासत में। फोटोः हरिभूमि

एक किलो हेरोइन सहित मुख्य तस्कर काबू

अंबाला। नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। स्पेशल गठित टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक नशा तस्कर को 1 किलोग्राम हेरोइन और तस्करी में प्रयुक्त गाड़ी के साथ काबू किया है। सीआईए-2 के प्रभारी के नेतृत्व में जांच टीम ने सूचना के आधार पर थाना महेश नगर के अंतर्गत कविता विहार में घेराबंदी कर आरोपी आरीमन को उस वक्त दबोचा जब वह किसी को नशा सप्लाई करने के इंतजार में था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1 किलो हेरोइन बरामद हुई। डीएसपी क्राइम वीरेंद्र ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना महेश नगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को रिमांड पर लिया गया है, ताकि इस गिरोह के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक का पता लगाया जा सके। अभियान के दौरान अभी तक पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के कुल 40 केस दर्ज कर 76 आरोपियों को जेल भेजा है।

पुलिस हिरासत में आरोपी अमरा।

708 ग्राम हेरोइन तस्करी में मुख्य आरोपी काबू

अंबाला। सीआईए-2 की टीम ने 708 ग्राम हेरोइन तस्करी मामले के मुख्य आरोपी अमर सिंह उर्फ अमरा को गिरफ्तार कर लिया है। ज्ञात हो कि 25 मार्च 2026 को थाना बलदेव नगर पुलिस ने जड़ौत रोड, दशमेश नगर से एक महिला को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ (708 ग्राम हेरोइन) के साथ रंगे हाथों काबू किया था। पूछताछ के दौरान महिला ने खुलासा किया था कि इस काले कारोबार में उसका पति अमर सिंह उर्फ अमरा और उसका दोस्त गुरजीत मुख्य रूप से शामिल हैं। आरोपी अमर सिंह उर्फ अमरा पिछले काफी समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था।

लूट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना मुलाना में दर्ज लूट के मामले में सीआईए-1 की पुलिस टीम ने बस स्टैंड धीन से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को काबू किया है। शिकायतकर्ता अविनाश ने 9 अप्रैल 2026 को शिकायत दर्ज करवाई कि बस स्टैंड धीन के पास रोहित व अन्य ने उससे 5 लाख रूपये लूट लिए हैं। सीआईए-1 ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत तफ्तीश शुरू की। दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।आरोपियों की पहचान रोहित कुमार , सुनील कुमार व अजय कुमार के तौर पर हुई। तीनों आरोपी यमुनानगर के रहने वाले हैं।

किसान बोले- नए तुगलकी फरमान सरकार वापस ले

चार घंटे तक किसान अनाजमंडी के सामने डटे, सड़क जाम कर जमकर की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर शनिवार को किसान संगठनों ने मंडी में नए नियमों के लागू करने से फसल बेचने में आ रही दिक्कतों को लेकर मंडी गेट के समक्ष सड़क जाम कर दी। इस दौरान किसानों ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि नए नियमों की वजह से उनकी परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने सरकार से इन तुगलकी फरमान को तुरंत वापिस लेने की मांग की। उधर अचानक सड़क जाम होने के कारण मंडी के बाहर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। इसकी वजह से पुलिस को यातायात डायवर्ट करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे भाकियू टिकैत ग्रुप के युवा विंग के प्रदेशाध्यक्ष चमन गुज्जर, नरमैल सिंह, धनराज फौजी का कहना था कि प्रदेश सरकार द्वारा मंडियो में फसल बेचने को लेकर नए नए नियम व कायदे कानून बना कर उन्हें परेशान कर रही है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा होने के बाद अब अनाज मंडियों में बॉयोमिट्रिक सिस्टम, ट्रैक्टर ट्रॉली के नंबरों जैसे नियम थोप दिए गए हैं। उसके बाद नमी के नाम पर फसल खरीदने के नाम पर तंग किया जा रहा है।

लंबे जाम की वजह से यातायात करना पड़ा डायवर्ट

किसान नेताओं का कहना है कि जब आधार कार्ड, भूमि के रिकार्ड से मेरी फसल मेरा ब्यौरा पंजीकरण हो चूका है जिसका ब्यौरा पंजीकृत है पैसे उसी किसान के खाते में जाएंगे तो फिर ये बॉयोमिट्रिक की क्या जरूरत है ? किसानों का कहना था कि भूमि महिलाओ के व बुजुर्गों के नाम पर है क्या अब हम उन्हें साथ लाएं? किसानों को फसल बेचने के लिए धक्के खाने पड रहे हैं। ट्रैक्टर ट्रॉली के नंबर भी अबकी बार लागू कर किसान को इसलिए परेशान किया जा रहा है कि वह तंग होकर या तो अपनी फसल मंडी के बाहर बेचने को मजबूर हो जाएं या फिर खेती ही छोड़ दें।

नारायणगढ़। अनाज मंडी के सामने प्रदर्शन करते व बीच सड़क पर बैठे किसान।

प्रदर्शन चार घंटे तक किया गया

किसान नेताओं ने कहा कि यह प्रदर्शन संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर चार घंटे तक किया गया। आगे जैसे भी ऊपर से निर्देश आएंगे उसी प्रकार आंदोलन करेंगे लेकिन इन मनमाने नियमों को लागू नहीं होने दिया जाएगा। जैसे पहले काले कानूनों को वापिस लेने के लिए सरकार को मजबूर किया था उसी प्रकार फिर से संघर्ष करना पड़ा तो पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान किसान नेताओं ने सरकार के खिलाफ जम कर भड़ास निकाली। साथ ही काले कानून वापिस लेने के नारे लगाए।

मंडियों में धक्के खा रहे किसान

शहजादपुर। अनाजमंडी में आई फसल का जायजा लेते सांसद वरूण चौधरी।

■ सांसद वरूण चौधरी ने मंडी में किसानों से मुलाकात की, राज्य सरकार पर जमकर बोला हमला

शहजादपुर। कांग्रेस सांसद वरुण मुलाना ने शहजादपुर अनाज मंडी का औचक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गेहूं खरीद की जमीनी हकीकत जानी और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। किसानों और आढ़तियों की व्यथा सुनने के बाद सांसद ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखे हमले बोले। उन्होंने राज्य सरकार को 'किसान व गरीब विरोधी' करार दिया। उनके साथ पूर्व राज्य सूचना आयुक्त अशोक मेहता भी विशेष रूप से मौजूद रहे। मंडी में किसानों को संबोधित करते हुए वरुण मुलाना ने कहा कि अन्नदाता अपनी ही फसल बेचने के लिए मंडियों में धक्के खाने को मजबूर है। सरकार ने नए-नए पोर्टल बनाकर किसानों को मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करने का काम किया है।

अंबाला। मीडिया से बातचीत करती बंतो कटारिया। फोटोः हरिभूमि

संसद और विधानसभाओं में बढ़ेगी महिलाओं की भागेदारी

■ भाजपा नेता बंतो कटारिया ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में बताया ऐतिहासिक कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया ने शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय अंब कमल में मीडिया से बातचीत की। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की महिलाओं को राजनीति में समान भागीदारी देने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में मजबूत भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करेगा। कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस कानून के लागू होने से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे समाज के हर वर्ग की आवाज को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा।

जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़, दिल्ली पुलिस की के स्पेशल सैल ने खंभे पर लगा कैमरा किया जब्त

अंबाला। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सैल ने अंबाला में एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मिले इनपुट के आधार पर पुलिस ने नग्गल थाना क्षेत्र के मलौर गांव में दबिश देकर एक संदिग्ध सोलर पावर संचालित सीसीटीवी कैमरा बरामद किया है। यह कैमरा एक खंभे पर लगाया गया था। हैरानी की बात यह है कि यह कैमरा बकनौर स्थित एयरफोर्स स्टेशन से मात्र 5-6 किलोमीटर की दूरी पर लगाया गया था। हालांकि टीम कैमरे को अपने संग ले गई है। अभी तक किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी होने की पुष्टि नहीं है। पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि दिल्ली पुलिस की विशेष टीम ने गांव में दबिश देकर कैमरे को जब्त कर लिया है। इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड पर है। जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क के तहत ऐसे कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा था जो सिम कार्ड और सोलर पैनल से लैस हैं, इसके जरिए पाकिस्तान में बैठे आकाओं को सैन्य ठिकानों और अर्धसैनिक बलों की गतिविधियों का लाइव डेटा भेजा जा रहा था। चूंकि ये कैमरे सोलर पावर से चलते हैं इसलिए इन्हें बिजली की जरूरत नहीं होती और ये लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं।

बैशाखी पर कलाकार मचाएंगे धूम

■ राज्य सरकार की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त एवं सचिव अमित अग्रवाल ने वीसी के माध्यम से बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा बैसाखी पर्व 13 अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ मनाने का काम किया जाएगा। इसी कड़ी में कुरूक्षेत्र में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं इसके अलावा अन्य जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन करके बैसाखी पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने का काम किया जाएगा। आयुक्त ने बताया कि 13 अप्रैल को कुरूक्षेत्र में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। वहीं विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में भी मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्य शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि बैसाखी पर्व खुशियों का पर्व है और फसल पकने की खुशी में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व है।

पंजाबी गिद्दे पर होगी जमकर मस्ती

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने आयुक्त एवं सचिव को जिला स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के तहत उन्हे आश्वस्त किया कि इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने का काम किया जाएगा। वीसी के माध्यम से जो आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं उनकी अनुपालना के तहत जिला स्तर पर बैसाखी पर्व का भव्य आयोजन किया जाएगा। बैठक के उपरांत उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों की एक बैठक लेते हुए उन्हें निर्देश दिए कि 13 अप्रैल दिन सोमवार को बैसाखी पर्व का भव्य आयोजन करते हुए उसे हर्षोल्लास के साथ मनाना है। उन्होने यह भी बताया कि कार्यक्रम के दृष्टिगत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतर प्रस्तुतियां भी शामिल रहेगी जिसमें पंजाबी भंगडा, गिद्दा, गतका व अन्य प्रस्तुतियां शामिल रहेंगी। इस मौके पर एसडीएम दर्शन कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, डिप्टी सीईओ राजन सिंगला, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार, राजकीय कॉलेज छावनी के प्रधानाचार्य के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सांस्कृतिक धरोहर को संभालकर रखे समाज

■ भगवान वाल्मीकि भवन में पुस्तकालय का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

भगवान वाल्मीकि भवन सिरसगढ़ के 14वें स्थापना दिवस समारोह व बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष पर भगवान वाल्मिकी आश्रम में भगवान वाल्मीकि शिक्षा प्रचार समिति द्वारा एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया । इसमें बतौर मुख्यातिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी मौजूद रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री संतोष चौहान सारवान ने की। मंत्री कृष्ण बेदी ने सर्वप्रथम आश्रम स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में शीश नवाया। इसके बाद उन्होंने आदि कवि भगवान वाल्मीकि पुस्तकालय का शुभारंभ किया। पूर्व मंत्री संतोष चौहान सारवान ने मंत्री कृष्ण बेदी का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने

मुलाना। आश्रम में नए पुस्तकालय का शुभारंभ करते मंत्री कृष्ण बेदी।

ये रहे मौजूद

कृष्ण बेदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी धरोहरों और संस्कृति को संभाल कर रखना चाहिए। उन्होंने आश्रम में ई लाइब्रेरी के लिए डीसी को डी प्लान के तहत 21 लाख देने की घोषणा की साथ ही अपने निजी कोष से 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। मौके पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

तीन मांगें भगवान वाल्मिकी भवन सिरसगढ़ निर्माण पूरा कराने और भवन में ई लाइब्रेरी और महिला छात्रावास बनाने की मांग मंत्री कृष्ण बेदी के समक्ष रखी । साथ ही आश्रम नें लंगर हाल बनाने की घोषणा की । इसे मंत्री कृष्ण बेदी ने पूरी करने का आश्वासन दिया ।

गवर्नमेंट कॉलेज में हुई एलुमनी मीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

■ पूर्व छात्रों ने की ताजा यादें

अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में पूर्व छात्र पहुंचे। पूर्व छात्रों ने अपने साथियों व टीचर्स के साथ मिलकर पुरानी यादें ताजा की। एलुमनी मीट के मुख्य अतिथि प्रो. प्रकाश रहे जो गवर्नमेंट पीजी कॉलेज से ही लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। प्रिंसिपल डॉ देसराज बाजवा व मीट के संयोजक डॉ. रविकांत ने मुख्य अतिथि का बुके देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने समय की यादों को ताजा करते हुए पूर्व छात्रों से आह्वान किया कि वे मिलने मिलाने का सिलसिला यूं ही जारी रखें। डॉ. रविकांत ने बताया कि मीट के बड़ी संख्या में वे पूर्व छात्र पहुंचे जो अब पब्लिक व प्राइवेट सेक्टर के अच्छे पदों पर कार्यरत हैं। इस मौके पर लेक्चरर रजनी,असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक,मनीष,चेतन, जेनयू दिल्ली के स्कॉलर हिमांशु,गायत्री बाजपेयी, एयर फोर्स में कार्यरत कृति व कई अन्य पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव सांझा किए। इस दौरान कई पूर्व छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से भी अपनी यादों को ताजा किया। कार्यक्रम के अंत में सभी पूर्व छात्रों को प्रिंसिपल डॉ. देसराज बाजवा व मुख्य अतिथि ने स्मृति चिह्न भेंट किए। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. रोहिणी ने किया।

अंबाला। एलुमनी मीट में अपने अनुभव ताजा करते पूर्व छात्र। फोटोः हरिभूमि

महिंद्रा बीई 6 के लिए लॉन्च किया एंथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मोहाली

11 अप्रैल 2026: पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के मशहूर गायक दिलप्रीत ढिल्लों ने महिंद्रा की नई और स्टाइलिश कार BE 6 के साथ एक शानदार म्यूजिक कोलैबोरेशन पेश किया है। यह खास गीत आज मोहाली में आयोजित भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लॉन्च किया गया, जहां मीडिया, फैंस और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों में इसे लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। इस गाने में अभिनेत्री ईशा शर्मा अपनी ग्लैमरस मौजूदगी से खास आकर्षण जोड़ती नजर आईं। देसी क्रू के दमदार म्यूजिक और खारे आला गोपी के शानदार बोलों ने गाने को और भी एनर्जेटिक बना दिया है। गाने में महिंद्रा BE 6 को सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि स्टाइल, पावर और नए दौर की पहचान के रूप में दिखाया गया है। महिंद्रा BE 6 अपनी आकर्षक डिजाइन, दमदार लुक और मॉडर्न स्टाइल के कारण युवाओं को काफी पसंद आ रही है। इसकी स्पोर्टी पर्सनैलिटी और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन गाने की एनर्जी के साथ पूरी तरह मेल खाती है। यही वजह है कि यह कोलैबोरेशन युवाओं के बीच तेजी से चर्चा का विषय बन रहा है।प्रेस कॉन्फ्रेंस का माहौल भी किसी बड़े एंटरटेनमेंट लॉन्च से कम नहीं था। दिलप्रीत ढिल्लों और ईशा शर्मा की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और खास बना दिया। यह अनोखा मेल म्यूजिक, स्टार पावर और ऑटोमोबाइल ब्रांडिंग को एक साथ जोड़ते हुए सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बड़ा धमाका करने के लिए तैयार है।

ठगी करने के मामले में आरोपी काबू

अंबाला। थाना साइबर क्राइम पुलिस लगातार साइबर ठगों को काबू कर जेल की सलाखों के पीछे भेज रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी योगेश उर्फ कुनाल को गिरफ्तार किया है। विवेक विहार के सचिन कुमार ने 3 मार्च 2026 को शिकायत में बताया कि 19 जनवरी 2026 से 18 फरवरी 2026 के बीच आरोपी ने ऑनलाइन ट्रेडिंग में पैसे कमाने का लालच दिया और उससे से 5 लाख 48 हजार 242 रूपये की धोखाधड़ी की । पुलिस ने मामला दर्ज कर बैंक खाता धारक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपना बैंक खाता साइबर ठगों को बेचा था। उसके खाते में लगभग 95 हजार रूपये आए थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

धोखाधड़ी के मामले में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

विदेश भेजने के नाम पर लाखों रूपये हड़पने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान हरभजन सिंह व चिराग के रूप में हुई है। पीड़ित महिला की शिकायत पर थाना सदर में विदेश भेजने की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने विदेश भेजने का झांसा देकर उससे 1 लाख 15 हजार रूपये की रकम हड़प ली। न तो उसे विदेश भेजा और न ही उसके पैसे वापिस किए। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में 01 लाख 10 हजार 500 रुपये की बरामदगी हो चुकी है।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से आयोजित श्रीराम कथा में बोली साध्वी रेनू भारती

कलयुग में भी जीवित होकर अपने भक्तों की रक्षा कर रहे हैं हनुमान

जब-जब पृथ्वी पर अधर्म और अहंकार बढ़ता है, तब भगवान विष्णु अवतार लेते हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के सौजन्य से श्रीराम कथामृत कालाअंब में चार दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी रेनू भारती ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने आध्यात्मिक विचारों में बताया कि जब जब भी धरती माता पर अधर्म और अहंकार का प्रकोप बढ़ता है तब तब भगवान विष्णु अवतरित होते है और अधर्मियों का सर्वनाश करते हैं। इसलिए कहा गया है कि भगवान के घर में देर है अंधेर नहीं। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी राजा दशरथ के यहां माता कौशल्या के गर्भ से भगवान श्री राम ने जन्म लिया। प्रभु श्री राम भगवान विष्णु के सातवें अवतार थे जिन्हें मानव रूप में पूजे जाने वाले सबसे पुराने देवता मानते हैं ।भगवान श्री राम का जन्म त्रेता युग में हुआ था। श्रीराम का जन्म ईश्ववाकु वंश में हुआ था जिसकी स्थापना सूर्य के पुत्र राजा इश्वाकु ने की थी।

अंबाला। कथा में प्रवचन करती साध्वी रेनू भारती। फोटोः हरिभूमि

कलयुग में भी हनुमान जीवित

रामचरितमानस में लिखा गया है की माता सीता ने हनुमान को आशीर्वाद दिया था। उन्होंने कहा कि तुम अजर, अमर और गुण निधि हो। रघुनायक के प्रेम के पात्र रहोगे, तो हनुमान प्रत्येक युग में सदा चिरंजीवी रहेंगे। त्रेता युग में हनुमान ने श्री राम की मदद की और द्वापर युग में हनुमान ने भगवान श्री कृष्ण की आज्ञा से अर्जुन के रथ का बचाव किया। कलयुग में भी हनुमान जीवित हैं। अपने भक्तों की रक्षा और उद्धार करते हैं।कथा में प्रसाद की सेवा श्री कृष्ण लाल द्वारा की गई।

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकारः** जमुना बीनी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

पर्यटन स्थल / समीर चौधरी

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते दुनिया के ये समुद्र तट

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

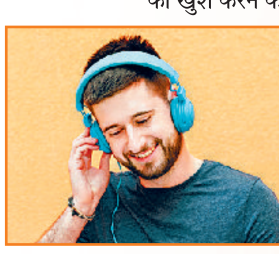

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित हों। *

नदीगाथा / वीना गौतम

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कि कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे यंगस्टर्स का समर स्वैग

सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

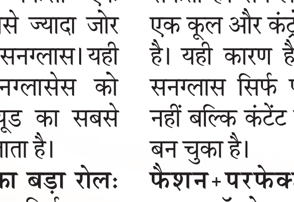

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *

बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण

अमरीश पुरी

अमजद खान

प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

शक्ति कपूर

रंजीत

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *